JOB VACANCY

यूको बैंक

530 अप्रेंटिस

अंतिम तिथि - 29 अक्टूबर

शैक्षणिक योग्यता

यूको बैंक की इस अप्रेंटिस भर्ती में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों के पास ये योग्यताएं होना जरूरी है-

शैक्षणिक योग्यता- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी स्ट्रीम (आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स आदि) में ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी होनी चाहिए।

आयु सीमा- आवेदक की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणियों जैसे SC,ST, OBC और PWD उम्मीदवारों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी।

स्थानीय भाषा का ज्ञान- उम्मीदवार को उस राज्य या क्षेत्र की स्थानीय भाषा बोलनी, पढ़नी और लिखनी आनी चाहिए जहां के लिए वह आवेदन कर रहा है।

चयन प्रक्रिया

इस भर्ती प्रक्रिया की सबसे खास बात यह है कि उम्मीदवारों का चयन उनकी ग्रेजुएशन के अंकों, योग्यता और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा।

आवेदन शुल्क- सामान्य (General), ओबीसी (OBC) और ईडब्ल्यूएस (EWS) श्रेणी के पुरुष उम्मीदवारों को 800 रुपये + जीएसटी आवेदन शुल्क देना होगा। सामान्य (General), ओबीसी (OBC) और ईडब्ल्यूएस (EWS) श्रेणी के महिला/ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों को 600 रुपये + जीएसटी आवेदन शुल्क देना होगा। जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 200 रुपये + जीएसटी शुल्क लागू रहेगा।

ट्रेनिंग अवधि व स्टाइपेंड- चयनित अप्रेंटिस को 1 वर्ष की अवधि के लिए ट्रेनिंग पर रखा जाएगा, जिसके दौरान बैंक द्वारा प्रतिमाह तय 16650 रुपये स्टाइपेंड भी दिया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है। अंतिम तारीख का इंतजार किए बिना इन आसान स्टेप्स को फॉलो करके फॉर्म भरें-

यूको बैंक की आधिकारिक वेबसाइट ucoban.com पर जाएं या NATS/NAPS पोर्टल पर विजिट करें।

होमपेज पर दिए गए Recruitment / Careers सेक्शन पर क्लिक करें।

"Engagement of Apprentices" लिंक पर क्लिक करके नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें।

अपनी व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक विवरण और आवश्यक दस्तावेज (फोटो व सिग्नेचर) अपलोड करें।

आवेदन शुल्क का भुगतान करें और फाइनल सबमिट बटन दबाकर फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर रख लें।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

380 जूनियर इंजीनियर

अंतिम तिथि-27 नवंबर 2026

PET स्कोरकार्ड की अनिवार्यता

UPSSSC JE भर्ती में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को इन मुख्य पात्रता मापदंडों को पूरा करना होगा।

अनिवार्य योग्यता- अभ्यर्थी के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या राज्य तकनीकी शिक्षा परिषद से इलेक्ट्रिकल में 3 वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा होना आवश्यक है।

UPSSSC PET स्कोर- इस भर्ती परीक्षा में शॉर्टलिस्टिंग के लिए अभ्यर्थी के पास आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET) का वैलिड स्कोरकार्ड होना अनिवार्य है। बिना PET पास अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आयु सीमा- आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 या 21 वर्ष विभाग अनुसार और अधिकतम आयु 40 वर्ष तय की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी।

आवेदन के लिए सभी वर्गों सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी और ईडब्ल्यूएस के लिए केवल 25 शुल्क का ऑनलाइन प्रोसेसिंग शुल्क रखा गया है।

चयन प्रक्रिया

PET स्कोर के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग-प्राप्त आवेदनों में से अभ्यर्थियों को उनके PET प्राप्तांकों के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन कैसे करें?

UPSSSC की आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।

सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल

12 जूनियर, सीनियर रेजिडेंट पद

सोमवार से शुक्रवार (30 अक्तूबर तक)

SRHC अस्पताल में सीनियर रेजिडेंट के कुल 12 रिक्त पदों पर एडहॉक आधार पर नियुक्तियां की जा रही हैं। यह भर्ती इन 6 प्रमुख विभागों में होगी।

रेडियोलॉजी-4 पद, एनेस्थेसिया-2 पद, ऑर्थोपेडिक्स (हड्डी रोग)- 2 पद, सर्जरी -2 पद, ओब्स एंड गायनी (स्त्री रोग)- 1 पद, पैथोलॉजी- 1 पद

योग्यता और आयु सीमा

अभ्यर्थी के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से MBBS की डिग्री के साथ संबंधित स्पेशलिटी में पोस्ट ग्रेजुएट (PG) डिग्री या डिप्लोमा होना अनिवार्य है। इसके अलावा अभ्यर्थी का दिल्ली मेडिकल काउंसिल (DMC) में मान्य रजिस्ट्रेशन होना चाहिए।

PG अभ्यर्थी न मिलने पर छूट- यदि किसी विभाग में पीजी पास उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होते हैं, तो 2 साल के अनुभव वाले MBBS डॉक्टरों (जिसमें 1 साल संबंधित विभाग का अनुभव हो) के नाम पर भी विचार किया जाएगा।

आयु सीमा- इंटरव्यू की तिथि तक अभ्यर्थी की अधिकतम आयु 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमों के अनुसार ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

सैलरी

चयनित डॉक्टरों को पे मैट्रिक्स लेवल-11 के तहत 67,700 रुपये से 2,08,700 रुपये प्रति माह का वेतन मिलेगा। इसके साथ ही दिल्ली सरकार के नियमानुसार अन्य भत्ते और सुविधाएं भी दी जाएंगी। इस भर्ती में शामिल होने के लिए कोई भी आवेदन शुल्क नहीं रखा गया है।

इंटरव्यू का समय, दिन और पता

योग्य डॉक्टर अक्टूबर 2026 महीने में सोमवार से शुक्रवार (सरकारी छुट्टियों को छोड़कर) के बीच अस्पताल परिसर में जाकर इंटरव्यू दे सकते हैं-

रजिस्ट्रेशन का समय- सुबह 09:00 से 11:00 बजे तक।

स्थान- कॉन्फ्रेंस रूम (कमरा नंबर 103), सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल, प्लॉट नंबर 30, सेक्टर-7A, नरेला, दिल्ली- 110040।

एयरोनॉटिकल या एयरोस्पेस इंजीनियरिंग क्या है बेहतर?

दोनों कोर्स में विमान की बनावट, इंजन और उड़ान से जुड़ी तकनीक पढ़ाई जाती है, लेकिन इनके वर्क एरिया में अंतर है। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग मुख्य रूप से विमान और हेलीकॉप्टर पर केंद्रित है, जबकि एयरोस्पेस में रॉकेट, स्पेसशिप और सैटेलाइट तकनीक भी शामिल होती है।



हवाई जहाज, रॉकेट और सैटेलाइट की तकनीक में इंटरेस्ट रखने वाले छात्रों के लिए एयरोनॉटिकल और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करियर के अच्छे विकल्प हैं। 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (PCM) की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट इन क्षेत्रों में BTech कर सकते हैं। दोनों कोर्स में विमान की बनावट, इंजन और उड़ान से जुड़ी तकनीक पढ़ाई जाती है, लेकिन इनके वर्क एरिया में अंतर है। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग मुख्य रूप से विमान और हेलीकॉप्टर पर केंद्रित है, जबकि एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में रॉकेट, स्पेसशिप और सैटेलाइट तकनीक भी शामिल होती है। आइए जानते हैं कि इन दोनों कोर्स में क्या अंतर है, एडमिशन कैसे मिलता है और पढ़ाई के बाद नौकरी के कौन-कौन से अवसर मिलते हैं।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर का डिजाइन, निर्माण, जांच और रखरखाव से जुड़ी तकनीक सिखाई जाती है। इसमें एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, इंजन, फ्लाइट मैकेनिक्स और मैटेरियल साइंस जैसे विषय शामिल हैं। इस कोर्स में स्टूडेंट समझते हैं कि विमान हवा में कैसे उड़ता है और उसकी सुरक्षा व कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए किन तकनीकों का इस्तेमाल होता है। इस क्षेत्र में इंटरेस्ट रखने वाले स्टूडेंट विमान निर्माण, एविएशन और रक्षा क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का दायरा एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग से व्यापक है। इसमें विमान और हेलीकॉप्टर के साथ रॉकेट, मिसाइल, सैटेलाइट और अंतरिक्ष यानों का डिजाइन, निर्माण व परीक्षण से संबंधित पढ़ाई की जाती है। इस कोर्स में एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन सिस्टम, स्पेसक्राफ्ट डिजाइन और फ्लाइट कंट्रोल जैसे विषय पढ़ाए जा सकते हैं। स्पेस रिसर्च और सैटेलाइट तकनीक में इंटरेस्ट रखने वाले छात्रों के लिए यह क्षेत्र उपयोगी विकल्प हो सकता है।

12वीं के बाद कैसे लें एडमिशन?

दोनों कोर्स की अवधि आमतौर पर चार साल होती है। एडमिशन के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (PCM) विषय जरूरी होते हैं। न्यूनतम अंकों की शर्त कॉलेज के अनुसार अलग हो सकती है। IIT में एडमिशन के लिए JEE Main के बाद JEE Advanced की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। अन्य संस्थानों में JEE Main या संबंधित एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से एडमिशन मिल सकता है।

इन कॉलेजों में कर सकते हैं पढ़ाई

एयरोस्पेस से जुड़े कोर्स के लिए स्टूडेंट IIT बॉम्बे, IIT मद्रास, IIT कानपुर, IIT खड़गपुर, IIT दिल्ली, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी (IIST), तिरुवनंतपुरम और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (PEC), चंडीगढ़ जैसे संस्थानों के विकल्प देख सकते हैं। कोर्स की उपलब्धता और प्रवेश की शर्तें संस्थान के अनुसार चेक करनी चाहिए।

पढ़ाई के बाद कहां मिलेगी नौकरी?

डिग्री पूरी करने के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL), ISRO, DRDO और नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (NAL) जैसे संस्थानों में संबंधित पदों के लिए अवसर मिल सकते हैं। निजी विमान निर्माण कंपनियों और स्पेस-टेक स्टार्टअप्स में भी संभावनाएं हैं। विद्यार्थी एयरोस्पेस इंजीनियर, डिजाइन इंजीनियर, प्रोपल्शन इंजीनियर, फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर, एवियोनिक्स इंजीनियर और रिसर्च साइंटिस्ट जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। हालांकि, सरकारी संस्थानों में नियुक्ति संबंधित भर्ती नियमों और योग्यता पर निर्भर करती है।

कितनी मिल सकती है सैलरी?

सैलरी कंपनी, कॉलेज, टेक्निकल स्किल और नौकरी की भूमिका के आधार पर अलग-अलग होता है। शुरुआती स्तर पर एयरोस्पेस क्षेत्र में सालाना 5 से 10 लाख रुपये का पैकेज मिल सकता है, जबकि कुछ टॉप संस्थानों के स्टूडेंट्स को इससे ज्यादा पैकेज भी मिलते हैं। ये अनुमान हैं, निश्चित सैलरी की गारंटी नहीं।

कौन-सा कोर्स चुनना रहेगा बेहतर?

अगर आपका इंटरेस्ट हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर और विमान की तकनीक में है तो एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग पर विचार कर सकते हैं। वहीं, विमान के साथ रॉकेट, सैटेलाइट और अंतरिक्ष यानों पर काम करना चाहते हैं तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकती है। कोर्स चुनने से पहले कॉलेज का कोर्स, फीस, एडमिशन प्रोसेस और करियर के अवसर जरूर देखें।

आईआईटी दिल्ली का रोबोटिक्स प्रोग्राम शुरू

थ्योरी के साथ रोबोट बनाने की मिलेगी ट्रेनिंग



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) दिल्ली में रोबोटिक्स के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए अवसर है। संस्थान ने रोबोटिक्स एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम के चौथे बैच के लिए आवेदन मांगे हैं। पांच महीने के इस ऑनलाइन कोर्स में रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग और रोबोट कंट्रोल की ट्रेनिंग दी जाएगी। कोर्स में सैद्धांतिक जानकारी के साथ प्रैक्टिकल काम पर भी जोर दिया जाएगा। कक्षाएं जनवरी 2027 से शुरू होंगी। ऐसे में तकनीकी क्षेत्र में अपनी जानकारी और स्किल बढ़ाने की योजना बना रहे उम्मीदवारों के लिए यह कोर्स उपयोगी हो सकता है।

पांच महीने का है ऑनलाइन प्रोग्राम

IIT दिल्ली का यह प्रोग्राम संस्थान के सतत शिक्षा कार्यक्रम (CEP) के तहत संचालित किया जा रहा है। इसकी अवधि पांच महीने है। कक्षाएं 30 जनवरी 2027 से शुरू होकर 26 जून 2027 तक चलेंगी। ऑनलाइन माध्यम से होने वाली कक्षाएं शनिवार और हर दूसरे रविवार को आयोजित की जाएंगी। इनका समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक निर्धारित है।

कौन कर सकता है आवेदन ?

इस कोर्स में आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। डिग्री में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी आवेदन के लिए एलिजिबल हैं। इच्छुक उम्मीदवारों को निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

रोबोटिक्स और AI की मिलेगी ट्रेनिंग

प्रोग्राम में रोबोटिक्स और ऑटोमेशन की बेसिक नॉलेज के साथ रोबोटिक सिस्टम में AI और मशीन लर्निंग के इस्तेमाल को समझाया जाएगा। इसके अलावा रोबोट डिजाइन करना, सेंसर का उपयोग, स्पीड को कंट्रोल करना और रोबोट को संचालित करने से जुड़ी तकनीकें सिखाई जाएंगी। कोर्स में रोबोट सिमुलेशन, एम्बेडेड सिस्टम और प्रोग्रामिंग टूल्स की जानकारी भी शामिल है। इसकी पढ़ाई में 40 प्रतिशत हिस्सा थ्योरी और 60 प्रतिशत हिस्सा प्रैक्टिकल कार्य पर आधारित होगा। प्रतिभागियों को कोर्स के दौरान एक काम करने वाला रोबोट तैयार करने का अवसर भी मिलेगा।

कब तक करें आवेदन ?

IIT दिल्ली के इस रोबोटिक्स प्रोग्राम की फीस 1,69,000 रुपये है। इस पर 18 प्रतिशत GST अलग से देना होगा। आवेदन के लिए 1,000 रुपये का फीस निर्धारित किया गया है जो वापस नहीं किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार 17 अक्टूबर 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने से पहले अभ्यर्थियों को एलिजिबिलिटी, फीस और अन्य जरूरी दिशानिर्देशों की जानकारी आधिकारिक प्रोग्राम पेज पर चेक कर लेनी लेनी चाहिए।

एडमिशन से पहले तय की जाए प्रोफेशनल कोर्सों की फीस-SC

प्रोफेशनल कोर्स की फीस को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देशित किया है कि किसी भी प्रोफेशनल कोर्स की पूरी अवधि के लिए फीस एडमिशन से पहले ही तय कर दी जानी चाहिए। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोर्स शुरू होने के बाद फीस में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि कुछ बहुत ही खास परिस्थितियों में ही फीस में बदलाव करने की छूट सुप्रीम कोर्ट ने दी है। सुप्रीम कोर्ट ने डा. बीसी रॉय इंजीनियरिंग कॉलेज बनाम पश्चिम बंगाल सरकार के मामले में यह स्पष्ट किया है। स्टूडेंट्स को पहले ही पता होना चाहिए फीस से कितना बोझ जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि 'फीस तय करने वाली समितियों को कोर्स के दौरान होने वाले संभावित खर्चों और उनमें होने वाली बढ़ोतरी का आकलन करना चाहिए। उन्हें एडमिशन शुरू होने से काफी पहले अपनी सिफारिशें दे देनी चाहिए, ताकि संबंधित अधिकारी पहले से ही फीस तय कर सकें। कोर्ट ने कहा कि चार या पांच साल के प्रोफेशनल

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देशित किया है कि किसी भी प्रोफेशनल कोर्स की पूरी अवधि के लिए फीस एडमिशन से पहले ही तय कर दी जानी चाहिए।

कोर्स में दाखिला लेने वाले छात्र को शुरुआत में ही यह पता होना चाहिए कि उस पर या उसके परिवार पर कितना आर्थिक बोझ पड़ने वाला है। इस शर्त पर ही बीच में फीस में बदलाव किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर कोई असाधारण आर्थिक स्थिति पैदा हो जाए या कानून में बदलाव के कारण कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आए, तो फीस में बदलाव किया जा सकता है। हालांकि बेंच ने जोर देकर कहा कि ऐसे बदलाव केवल अपवाद स्वरूप ही होने चाहिए। ये समय रहते किए जाने वाले सही आकलन और उचित योजना की जगह नहीं ले सकते।सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इसका मुख्य सिद्धांत कुशल नियमन के जरिए निश्चितता लाना है।

स्थाई हों फीस तय करने वाली समितियां

सुप्रीम कोर्ट ने कहा किखास तौर पर फीस तय करने वाली समितियों के बारे में अदालत ने कहा कि उन्हें एक स्थायी संस्था के रूप में काम करना चाहिए, जो खर्चों का पहले से अनुमान लगाने, समय-समय पर मूल्यांकन करने और सही समय पर फैसले लेने में सक्षम हो ।फैसले में कहा गया कि इनकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि दाखिले शुरू होने से पहले ही फीस तय हो जाए और, जहां तक संभव हो, यह पूरे प्रोफेशनल कोर्स की अवधि को कवर करे।

क्या है मामला

सर्वोच्च अदालत डॉ. बीसी रॉय इंजीनियरिंग कॉलेज और अन्य निजी कॉलेजों की उन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी, जो कलकत्ता हाई कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ थीं। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में इन कॉलेजों को उन छात्रों पर फीस वृद्धि लागू करने से रोक दिया था, जिन्होंने पहले ही दाखिला ले लिया था।



यूपी सैनिक स्कूलों में एडमिशन प्रक्रिया शुरु

यूपी के सैनिक स्कूलों में एकेडमिक सेशन 2027-28 में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन यानी आवेदन प्रोसेस शुरू हो गया है। यूपी सैनिक स्कूल सोसाइटी ने सैनिक स्कूल में क्लास 6th व 9th में एडमिशन के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसके तहत इच्छुक व पात्र स्टूडेंट्स के एडमिशन के लिए 25 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। एडमिशन के लिए सेना से जुड़े परिवारों के अलावा आम नागरिकों के बच्चे भी आवेदन कर सकते हैं, लेकिन निर्धारित योग्यता पूरी करनी होगी।

ऑनलाइन किया जा सकता है आवेदन

यूपी सैनिक स्कूल में क्लास 6th व 9th में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन यानी आवेदन ऑनलाइन कराया जा सकता है।

ऑफिशियल वेबसाइट upsainikschool.org के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। बिना किसी लेट फीस के 25 अक्टूबर शाम 5 बजे तक रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। वहीं लेट फीस के साथ 31 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। लेट फीस के तौर पर 2000 रुपये का भुगतान करना होगा। यूपी में कैप्टन मनोज कुमार पांडेय यूपी सैनिक स्कूल, लखनऊ और सैनिक स्कूल, गोरखपुर में एडमिशन के लिए आवेदन किया जा सकता है। दोनों स्कूलों में लड़कियों के एडमिशन के नियम अलग हैं।

कौन कर सकता है आवेदन

यूपी सैनिक स्कूल में क्लास 6th व 9th में एडमिशन के लिए आवेदन सैन्य कर्मियों व सामान्य नागरिकों के बच्चे आवेदन कर सकते हैं। क्लास 6th में एडमिशन के लिए बच्चे का जन्म 2 जुलाई 2015 से 1 जनवरी 2018 के बीच हुआ होना चाहिए। बच्चा 5वीं पास होना चाहिए।क्लास 6th में एडमिशन के लिए बच्चे का जन्म 2 जुलाई 2012 से 1 जनवरी 2015 के बीच होना चाहिए। बच्चा 8वीं पास होना चाहिए। हालांकि 5वीं और 8वीं में पढ़ रहे बच्चों के एडमिशन के लिए भी आवेदन किया जा सकता है। जरूरी है कि बच्चा उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।

एंट्रेंस एग्जाम की मेरिट के आधार पर एडमिशन

यूपी सैनिक स्कूल में क्लास 6th व 9th में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया जाएगा। एंट्रेंस एग्जाम 20 दिसंबर 2026 को संभावित है। एंट्रेंस एग्जाम की मेरिट के आधार पर उपलब्ध सीटों पर बच्चों को एडमिशन दिया जाएगा।



जॉब मार्केट के हिसाब से नहीं हो रही पढ़ाई - नीति आयोग

आज करियर की तैयारी कर रहा छात्र ऐसे वर्कप्लेस के लिए तैयारी कर रहा है जो उनके ग्रेजुएट होने तक शायद अलग दिखेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और उभरते हुई इंडस्ट्रीज काम का का तरीका बदल रही हैं। नए जॉब रोल्स तैयार हो रहे हैं और मौजूदा जॉब रोल्स के लिए जरूरी स्किल्स में बदलाव ला रहे हैं। लर्निंग मटीरियल सिर्फ यह बताने तक सीमित नहीं रहने वाला कि छात्रों को क्या जानना जरूरी है। इसे उन्हें यह समझने में भी मदद करना होगा कि उस नॉलेज का इस्तेमाल कैसे किया जाए। शिक्षा और रोजगार के बीच का संबंध इस मुद्दे को और भी अहम बनाता है। नीति आयोग की 2026 की रिपोर्ट, 'Reimagining Skilling for Viksit Bharat@2047', का अनुमान है कि 15-29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा न तो शिक्षा में हैं, न ही रोजगार या ट्रेनिंग में।

रिपोर्ट एक ऐसे लेबर मार्केट की ओर भी इशारा करती है जहां एजुकेशन क्वालिफिकेशन हमेशा सही जॉब मार्केट के हिसाब से नहीं हैं। ग्रेजुएट होने वाले बहुत कम लोग अपनी क्वालिफिकेशन के हिसाब से नौकरी ले पाते हैं, जो कोर्स पूरा करने या डिग्री हासिल करने के बाद आगे के करियर के बारे में गहराई से सोचने की ओर इशारा करता है।

जॉब के लिए स्किल भी जरूरी

पारंपरिक पाठ्यपुस्तकें मुख्य रूप से जानकारी पर आधारित होती हैं। दिशा पब्लिकेशन के डायरेक्टर अविनाश अग्रवाल का कहना है कि किताबें आज भी कॉन्सेप्ट समाने, उदाहरण देने और छात्रों को प्रैक्टिस के लिए सवाल देने के लिए सबसे जरूरी आधार हैं। लेकिन एआई के दौर में सिर्फ जानकारी तक पहुंच अब सबसे बड़ी चुनौती नहीं है। छात्र डिजिटल प्लेटफॉर्म और AI टूल्स के जरिए लगभग तुरंत स्पष्टीकरण, उदाहरण और जवाब पा सकते हैं। उनका कहना है कि लर्निंग मटीरियल की अहमियत अब जानकारी के आस-पास की चीजों में ज्यादा है- संदर्भ, संरचना, अभ्यास और मार्गदर्शन। एक अच्छा रिसोर्स छात्रों को किसी समस्या का विश्लेषण करने, किसी कॉन्सेप्ट को अलग स्थिति में लागू करने और सिर्फ जवाब दोहराने के बजाय उसका सॉल्यूशन तलाशने में मदद करेगा। नीति आयोग की रिपोर्ट भी मिडिल स्कूल के सालों से ही स्कूली शिक्षा में रोजगार की क्षमता और उद्यमिता कौशल को शामिल करने की बात करती है। इसके प्रस्तावित तरीके में बातचीत, डिजिटल की बुनियादी जानकारी, फाइनेंशियल लिटरेसी (वित्तीय समझ), टीमवर्क, समस्या सुलझाने की क्षमता और एंटरप्रेन्योरशिप के साथ-साथ अलग-अलग तरह के कामों या पेशों की जानकारी शामिल है। ऐसी स्किल्स सिर्फ चैप्टर पढ़कर विकसित नहीं की जा सकतीं। इनके लिए प्रैक्टिस, सही संदर्भ और उन्हें आजमाने के मौकों की जरूरत होती है।

टेक्स्टबुक- सीखने की एक बड़ी व्यवस्था का हिस्सा

इसका जवाब प्रिंटेड किताबों और डिजिटल लर्निंग में से किसी एक को चुनना नहीं है। एक फिजिकल बुक सीखने का आधार बनी रह सकती है और साथ ही अतिरिक्त मदद का जरिया भी बन सकती है। वीडियो, असेसमेंट, पर्सनलाइज्ड प्रैक्टिस, डाउट-सॉल्विंग, परफॉर्मेंस एनालिसिस और AI-आधारित मदद से स्टूडेंट मेन कंटेंट के साथ और भी बहुत कुछ कर सकते हैं।

पर्सनलाइजेशन (हर छात्र की जरूरत के हिसाब से पढ़ाई) खास तौर पर जरूरी है। दो छात्र एक ही चैप्टर पूरा कर सकते हैं, लेकिन उनकी समझ का स्तर बहुत अलग हो सकता है। हो सकता है कि एक छात्र को ज्यादा प्रैक्टिस की जरूरत हो, जबकि दूसरे को आसान तरीके से समझाने या अलग तरह के सवालों की जरूरत हो।

रटने के बजाय जानकारी को बेहतर करने की जरूरत

टेक्नोलॉजी उन कमियों को पहचानने और छात्रों को यह बताने में मदद कर सकती है कि उन्हें आगे क्या दोहराना है। यही मैथेड स्कूल एग्जाम्स से आगे भी लागू होता है। अगर सीखने का मकसद छात्रों को बदलते करियर के लिए तैयार करना है, तो रिसोर्स को उन्हें सिर्फ एक चैप्टर से दूसरे चैप्टर पर ले जाने के बजाय, उनकी मौजूदा जानकारी को और बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए।

टेक्नोलॉजी की बढ़ती भूमिका विश्वसनीयता को कम नहीं, बल्कि और भी जरूरी बनाती है। AI लगभग असीमित कंटेंट बना सकता है, लेकिन छात्रों को अभी भी ऐसी जानकारी की जरूरत है जो सही हो, करिकुलम के हिसाब से हो और जिसे विषय के जानकार लोगों ने रिव्यू किया हो। उस नॉलेज आ स्किल्स को चुनने और उसे सही साबित करने में पब्लिशर्स की अहम भूमिका होती है।

किताबों में बदलाव क्यों जरूरी है?

बदलती टेक्स्टबुक पब्लिशर का काम भी बदल देती है। किसी चैप्टर को अपडेट करना या डिजिटल फीचर जोड़ना तो बस शुरुआत है। लर्निंग मटीरियल को उन स्किल्स के साथ तालमेल बिठाना होगा जिनकी छात्रों को क्लासरूम के बाहर जरूरत होगी, साथ ही उस स्ट्रक्चर और एडिटोरियल अनुशासन को भी बनाए रखना होगा जो भरोसेमंद लर्निंग रिसोर्स को उपयोगी बनाते हैं। टेक्नोलॉजी प्रैक्टिस को ज्यादा रिस्पॉन्सिव, असेसमेंट को ज्यादा जानकारीपूर्ण और रिविजन को ज्यादा टारगेटेड बना सकती है। एक्सपर्ट-लेड कंटेंट इसके पीछे विश्वसनीयता प्रदान करता है। नतीजा एक ऐसी टेक्स्टबुक होती है जो सीखने की जर्नी की शुरुआत में ही सीमित नहीं रहती। जैसे-जैसे छात्र की समझ विकसित होती है, यह उसकी मदद करती रहती है। टेक्स्टबुक कम जरूरी नहीं हो रही है। इसकी भूमिका और व्यापक हो रही है। जैसे-जैसे जॉब मार्केट बदल रहा है, सीखने के मटीरियल को छात्रों की जानकारी बढ़ाने, उसका आत्मविश्वास के साथ इस्तेमाल करने और तब भी सीखते रहने में मदद करनी चाहिए, जब किसी चैप्टर में ही सारे जवाब न मिलें।

समसामयिक प्रश्नोत्तरी

1. किस कंपनी ने हवा में उछलने वाली/उड़ने वाली कार (फ्लाइंग कार) 'रोडस्टार' का प्रदर्शन किया, जिसमें 'कोल्ड-गैस थ्रस्टर' लगे हैं?
अ. टाटा ब. टेस्ला
स. मर्सिडीज द. बीएमडब्ल्यू

2. हरमनप्रीत कौर द्वारा अक्टूबर 2026 में भारतीय महिला क्रिकेट के तीनों फार्मेट की कप्तानी छोड़ने के बाद नई कप्तान किसे नियुक्त किया गया?
अ. शेफाली वर्मा ब. दीप्ति शर्मा
स. स्मृति मंधाना द. ऋचा घोष

3. यूनिसेफ इंडिया ने किस भारतीय महिला क्रिकेटर को अक्टूबर 2026 में सेलिब्रिटी एडवोकेट नामित किया?
अ. स्मृति मंधाना ब. हरमनप्रीत कौर
स. शेफाली वर्मा द. जेमिमा रोड्रिग्स

4. शिक्षा मंत्रालय ने अक्ज्टूबर 2026 में कितनी शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने को मंजूरी दी?
अ. 5 ब. 6
स. 7 द. 8

5. देश के 29वें एयरफोर्स चीफ कौन नियुक्त हुए?
अ. आशुतोष दीक्षित ब. अमर प्रीत सिंह
स. ए. के. भारद्वाज द. विवेक राम चौधरी

6. रामानुजन पुरस्कार 2026 के लिए किस भारतीय को चुना गया?
अ. अक्षय वेंकटेश ब. महेश काकडे
स. डॉ. अलेक्जेंडर डन द. नीना गुप्ता

7. फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान (वर्ष 2026 के लिए) 'लीजन ऑफ ऑनर' किस भारतीय उद्योगपति को चुना गया?
अ. मुकेश अंबानी ब. गौतम अडानी
स. सुनील भारती मित्तल द. कुमार मंगलम बिड़ला

उत्तर

1- ब. टेस्ला, 2- स. स्मृति मंधाना, 3- अ. स्मृति मंधाना, 4- अ. 5, 5- अ. आशुतोष दीक्षित, 6- ब. महेश काकडे, 7- स. सुनील भारती मित्तल